This question paper contains **8+4** printed pages]

आपका अनुक्रमांक ....

227

B.A. (Programme)/I **J**

HINDI LANGUAGE (A)—Paper I

हिंदी भाषा (क)—प्रश्नपत्र I

(प्रवेशवर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10+10

(क) सन् 30 से 40 तक के वर्ष हिंदी साहित्य में बहुत ही महत्त्वपूर्ण हैं। इन वर्षों में हिन्दी साहित्य यथार्थवाद की भूमि पर और आगे बढ़ा। प्रेमचन्द ने 'गोदान' में महाजनों के कठिन शोषण के साथ-साथ राय साहब जैसे दुरंगी नीति

पर चलने वालों का भी चित्र खींचा। प्रसादजी ने 'तितली' में भूमि-समस्या का सही रूप पेश करते हुए बताया कि इस समस्या को हल करने के लिए चकबंदी आदि की योजनाएँ बेकार हैं। जमीन जोतने वाले को मिलेगी तभी यह समस्या हल होगी। निराला ने देवी, चतुरी चमार, कुल्ली भाट आदि अपने अपूर्व रेखाचित्रों में गरीबों की दशा का चित्रण ही नहीं किया वरन् जो उनके उद्धार का ढोंग रचते थे, उन्हें भी बेनकाब कर दिया। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'काव्य' नाम के निबन्ध में चन्दाप्रेमी लेक्चरबाज नेताओं पर व्यंग्य करते हुए 'मेघदूत' में भारतवर्ष के चित्रण पर लिखा है : 'जो इस स्वरूप के ध्यान में अपने को भूलकर कभी-कभी मग्न हुआ करता है, वह घूम-घूम कर वक्तृता दे या न दे, चन्दा इकट्ठा करे या न करे, देशवासियों की आमदनी का औसत निकाले या न निकाले, सच्चा देश-प्रेमी है।'

प्रश्न :

(*i*) सन् 1930-40 तक का समय हिंदी साहित्य में किसलिए महत्त्वपूर्ण रहा ?

(*ii*) प्रसादजी ने 'तितली' उपन्यास में भूमि-समस्या को किस-रूप में व्याख्यायित किया है ?

(*iii*) निराला ने अपने रेखाचित्रों में क्या वर्णन किया है ? स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) आचार्य शुक्ल ने किस प्रकार के नेताओं पर क्या व्यंग्य किया है ?

(*v*) 'इन वर्षों में हिन्दी साहित्य यथार्थवाद की भूमि पर और आगे बढ़ा।' वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) एक नए समाज में मीडिया और संचार माध्यमों की क्या भूमिका है, यह भी इस समाज के मूल्यांकन के लिए एक महत्त्वपूर्ण विषय है। इन माध्यमों ने हमें विश्व से बड़े आकस्मिक और प्रभावशाली ढंग से जोड़ दिया है। इनके द्वारा एकदम खुले समाज की जो सृष्टि हुई है उससे किस प्रकार जूझा जाए, यह एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। इस बारे में महात्मा गाँधी का सुझाव सबसे अच्छा था। उनका कहना था, "मैं चाहता हूँ मेरे मकान की सभी खिड़कियाँ खुली रहें और बाहर की हवा मेरे घर में स्वच्छन्दता के साथ आए। लेकिन मैं यह नहीं चाहता कि यह बाहरी हवा हमें अपनी जड़ों से ही उखाड़ दे।" जरूरत है संचार माध्यमों से आने वाली समस्याओं से गाँधीजी द्वारा दिए गए निर्देश के अनुकूल निपटने की।

प्रश्न :

(i) मीडिया और संचार माध्यमों का क्या प्रभाव पड़ा है ?

(ii) लेखक के द्वारा उठाए गए प्रश्न के उत्तर में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(iii) मीडिया के संदर्भ में गाँधीजी का क्या सुझाव था ?

(iv) 'मेरे मकान की सभी खिड़कियाँ खुली रहें और बाहर की हवा मेरे घर में स्वच्छन्दता के साथ आए।'—इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

(v) बाहरी हवा हमें अपनी जड़ों से कैसे उखाड़ सकती है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) सिगमंड फ्रायड ने चुटकुलों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन करते हुए यह स्थापना की है कि उनकी जड़ें आत्मदमन में होती हैं। विभिन्न पारिवारिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थितियाँ मनुष्य की जिन भावनाओं का दमन करती हैं, वे ही चुटकुलों के रूप में फूट पड़ती हैं। इस तरह ज्यादातर चुटकुलों का चरित्र आनंददायक प्रतिशोध का है। इनके माध्यम से हम उन पर हँसते हैं, जिन्होंने हमें रुलाया है और इस तरह संतुलन को बराबर करने की कोशिश करते हैं। क्या यही बात पूरे व्यंग्य साहित्य के बारे में नहीं कही जा सकती ? इस तरह देखा जाए, तो व्यंग्य कमजोर का हथियार है : कमजोर आदमी अपने हाथ-पाँव से जो नहीं

कर पाता, उन्हें जलील करने की कोशिश करता है—हालाँकि कुछ इस तरह कि उसमें मजा भी आए।

प्रश्न :

(*i*) सिगमंड फ्रायड कौन थे ? उन्होंने चुटकुलों के संदर्भ में क्या स्थापना की है ?

(*ii*) चुटकुलों का चरित्र आनंददायक प्रतिशोध का है—स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) 'व्यंग्य कमजोर का हथियार है'—इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) दूसरे को जलील करने की कोशिश में मजा भी आए—इससे क्या तात्पर्य है ?

(*v*) 'भावनाओं का दमन' और 'आनंददायक प्रतिशोध' को वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

2. प्रश्नों के आधार पर इस अनुच्छेद का विश्लेषण कीजिए :

काल्पनिक और वास्तविक की चर्चा के संबंध में कहूँ तो सजीव, विश्वसनीय लेखन के लिए जरूरी नहीं कि जीवन में से उठाई गई किसी घटना का यथावत् चित्रण कर दिया जाए। बल्कि मैं तो कहूँगा कि कभी-कभी वास्तविकता का यथावत् चित्रण इतना प्रभावशाली नहीं होता जितना कल्पना की मदद से किया गया चित्रण। कल्पंना की उड़ान से मतलब मनगढ़ंत चित्रण नहीं है। कथानक के विकास के अनुरूप ही आपके पात्रों का व्यवहार

होगा और आपकी कल्पना द्वारा नई-नई स्थितियों का आविष्कार भी। बेशक, वास्तविकता की जानकारी आधार का काम करेगी, पर उसके अन्दर पाई जाने वाली सच्चाई का उद्‌घाटन कल्पना द्वारा ही होगा। वरना आप पढ़ते रहिए, तथ्य और आँकड़े बटोरते रहिए, जितना अधिक आप किसी रचना को जानकारी के आधार पर, तथ्य-आँकड़ों की मदद से लिखेंगे, उतनी ही रचना कमज़ोर होती जाएगी।

प्रश्न :

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद का केंद्रीय विचार लिखिए। 2

(*ii*) केंद्रीय विचार को सहयोग देने वाले अन्य विचार बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए। 4

(*iii*) 'कल्पना की उड़ान से मतलब मनगढ़ंत चित्रण नहीं है।' वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए। 4

3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) कुल-धर्म की स्थापना की आवश्यकता क्यों पड़ती है ? (विज्ञान और धर्म)

(*ii*) नन्हकू सिंह ने 'प्रहसनपूर्ण अभिनय' खेलने के लिए कौनसा गाना गाया था और किस प्रकार गाया था ? (गुंडा)

(*iii*) पाश्चात्य संस्कृति ने हमारे सामाजिक दृष्टिकोण को किस प्रकार बदल दिया है ? स्पष्ट कीजिए। (समाज और व्यक्ति)

(*iv*) पूर्वी यू. पी. की लोक संस्कृति को केंद्रित करके लिखी पुस्तक में लेखक ने भारतवर्ष की पुनर्व्याख्या किस प्रकार की है ? स्पष्ट कीजिए। (भाषा बहता नीर)

(*v*) लेखक ने 'परम स्वतंत्र' विशेषण का प्रयोग किसके लिए किया है तथा इसके पीछे मूल भाव क्या है ?

(शक्ति का केंद्रीकरण)

(*vi*) 'अधिकांश चर्चित शहरी नारी-संगठनों) पर लेखिका ने क्या टिप्पणी की है ? (मित्र संलाप)

(*vii*) 'पद्मावत' और 'पृथ्वीराज रायसा' के विषय में लेखक के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

(साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) प्रेम के विषय में खरबूजा काटते हुए माणिक मुल्ला क्या कहते थे ?

(*ii*) कहानी की टेकनीक के विषय में माणिक मुल्ला के क्या विचार थे ?

(*iii*) 'नमक की अदायगी' में लेखक ने मुहल्ले में चल पड़ी धर्म की लहर का किस प्रकार वर्णन किया है ?

(*iv*) माणिक मुल्ला की क्लास में क्या पढ़ाया जाता था ?

(*v*) 'घोड़े की नाल' कहानी में माणिक मुल्ला ने क्या निष्कर्ष निकाला और क्यों ?

(*vi*) 'घरजमाई-जैसी' बात जब महेसर दलाल तक पहुँची तो क्या हुआ ?

(*vii*) 'काले बेंट का चाकू' को देखकर माणिक मुल्ला क्या कल्पना करते थे ?

अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) सिगरी उनसत और उनके समकालीन उपन्यासकार का क्या नाम था और दोनों में क्या अन्तर था ?

(*ii*) 'एम्टी' कौन हैं ? उनकी सफल फिल्म का नाम बताइए।

(*iii*) अंग्रेजों के जमाने में नैनीताल को 'छोटी विलायत' क्यों कहा जाता था ?

(*iv*) 'सपनों के शिखर तक' में काफल बेचने वाले दो नन्हें बच्चों का चित्रण किस प्रकार किया गया है ?

(*v*) 'झेलम से हरिन बांगा तक' में दीमापुर की 'कियु-ही' पहाड़ी पर रहने वाले लोगों की क्या-क्या विशेषताएँ चित्रित की गई हैं ?

(*vi*) 'कुशीनारा : तथागत के अंतिम दिन' में 'भिक्षा-पात्र' के सम्बन्ध में क्या उल्लेख किया गया है ?

(*vii*) 'हिन्द महासागर का मोती' में यूरोपियनों के बंगलों को 'साम्राज्यवाद के अवशेष' क्यों कहा गया है ?

5. नीचे दिए गए विषयों में से किसी **एक** पर टिप्पणी **अथवा** वार्ता लिखिए : 8

(*i*) टी.वी. विज्ञापनों की भाषा;

(*ii*) महानगर की बारात;

(*iii*) पत्रकार का दायित्व।

6. निम्नलिखित संवाद को कथा-शैली में लिखिए : 5

सोफी— मुझे पहचानते हो सूरदास ?

सूरदास— हाँ, भला हुजूर ही को न पहचानूँगा।

सोफी— तुमने तो हम लोगों को सारे शहर में खूब बदनाम किया।

सूरदास— फरियाद करने के सिवा मेरे पास और कौन बल था ?

सोफी— फरियाद का क्या नतीजा निकला ?

सूरदास— मेरी मनोकामना पूरी हो गई। हाकिमों ने मेरी जमीन मुझे दे दी। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि कोई काम तन-मन से किया जाए, और उसका फल न मिले। तपस्या से तो भगवान् मिल जाते हैं। बड़े साहब के अरदली ने कल रात ही को मुझे यह हाल सुनाया। आज पाँच ब्राह्मणों को भोजन कराना है। कल घर चला जाऊँगा।

प्रभु सेवक— मिस साहब ही ने बड़े साहब से कह सुनकर तुम्हारी जमीन दिलवायी है। इनके पिता और राजा साहब दोनों ही इनसे नाराज हो गए हैं। इनकी तुम्हारे ऊपर बड़ी दया है।

सोफी— प्रभु; तुम पेट के बड़े हल्के हो। यह कहने से क्या फायदा कि मिस साहब ने जमीन दिलवाई है, यह तो कोई बड़ा काम नहीं है।

सूरदास— साहब, यह तो मैं उसी दिन जान गया था, जब मिस साहब से पहले-पहल बातें हुई थीं। मुझे उसी दिन मालूम हो गया कि इनके चित्त में दया और धरम है। इसका फल भगवान् इनको देंगे।

सोफी— सूरदास, यह मेरी सिफारिश का फल नहीं, तुम्हारी तपस्या का फल है। राजा साहब को तुमने खूब छकाया। अब थोड़ी-सी कसर और है। ऐसा बदनाम कर दो कि शहर में किसी को मुँह न दिखा सकें, इस्तीफ़ा देकर अपने इलाके की राह लें।

सूरदास— नहीं मिस साहब, यह खिलाड़ियों की नीति नहीं है। खिलाड़ी जीतकर हारने वाले खिलाड़ी की हँसी नहीं उड़ाता, उससे गले मिलता है और हाथ जोड़कर कहता है—'भैया अगर खेल में तुमसे कोई अनुचित बात कही हो या कोई अनुचित व्यवहार किया हो, तो हमें माफ करना।

7. (क) शब्दकोश की परिभाषा देते हुए किसी एकभाषी शब्दकोश की विशेषताएँ लिखिए। 4

(ख) शब्दकोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

व्यवहार, आपत्ति, उन्नति, जन्म, पूँजी, द्वार प्रपंच, वानर, लोक, बादल, कसौटी, अर्थ, स्वार्थ, साधक, इतिहास, भावुकता।

अथवा

निम्नलिखित अवधारणामूलक शब्दों में से किन्हीं **दो** का अर्थ स्पष्ट कीजिए :

अलौकिक, दूरदृष्टि, पदार्थ, नास्तिक।

8. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पाँच** का पदक्रम व्यवस्थित कीजिए : 4

(i) जन-समूह का विकास है हृदय का साहित्य।

(ii) नीचा मुस्कराकर कर लिया सिर दुलारी ने।

(iii) समाज और व्यक्ति द्वारा लिखा गया लेख महादेवी का है।

(iv) दिया जाता है श्रेय अमरीका को कोलम्बस की खोज का।

(v) हो गई है भूमिका हिंदी की बहुत आज बड़ी।

(vi) है नहीं यह आवश्यक सभी सहमत हों आपसे कि।

(vii) नाला गहरा है असावधानी से आगे चलाएँ मत गाड़ी।